Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का तुलनात्मक अध्ययन (भोपाल एवं हरदा जिलों के विशेष संदर्भ में)

सोनिया मोढ़

असिस्टेंट प्रोफेसर, हरदा डिग्री कॉलेज, जिला हरदा

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के विभिन्न आयामों का तुलनात्मक अध्ययन करना है। अध्ययन में भोपाल (शहरी क्षेत्र) एवं हरदा (ग्रामीण क्षेत्र) जिलों के कुल 400 शिक्षकों को नमूने में शामिल किया गया, जिनमें से 200 शिक्षक भोपाल जिले से एवं 200 शिक्षक हरदा जिले से थे। प्रत्येक जिले से 100 सरकारी एवं 100 निजी विद्यालयों के शिक्षकों का चयन किया गया। डेटा संग्रह के लिए एक मानकीकृत प्रश्नावली का उपयोग किया गया, जिसमें व्यावसायिक नैतिकता के छह प्रमुख आयामों- छात्रों के प्रति दायित्व, माता-पिता के प्रति दायित्व, समुदाय के प्रति दायित्व, पेशे के प्रति दायित्व, सहकर्मियों के प्रति दायित्व एवं कुल व्यावसायिक नैतिकता- को मापा गया। परिणामों ने संकेत दिया कि शहरी क्षेत्र (भोपाल) के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का स्तर ग्रामीण क्षेत्र (हरदा) के शिक्षकों की तुलना में सभी आयामों में उच्च पाया गया। सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों के बीच भी नैतिकता के स्तर में महत्वपूर्ण अंतर पाया गया। अध्ययन ने सुझाव दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षकों के लिए विशेष नैतिकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।

कीवर्ड: व्यावसायिक नैतिकता, ग्रामीण-शहरी तुलना, माध्यमिक शिक्षक, भोपाल, हरदा, सरकारी-निजी विद्यालय

1. परिचय

शिक्षा किसी भी समाज के विकास की आधारशिला है और शिक्षक इस आधारशिला के निर्माता होते हैं। शिक्षकों का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूर्ण कराना ही नहीं, अपितु छात्रों के सर्वांगीण विकास, उनमें नैतिक मूल्यों का समावेश एवं उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना भी है। इस महत्वपूर्ण दायित्व के निर्वहन हेतु शिक्षकों में उच्च स्तर की व्यावसायिक नैतिकता का होना अत्यंत आवश्यक है। व्यावसायिक नैतिकता से तात्पर्य उन सिद्धांतों, मूल्यों एवं मानकों से है जो किसी पेशे के सदस्यों के आचरण एवं व्यवहार को नियंत्रित करते हैं। शिक्षण पेशे में व्यावसायिक नैतिकता के अंतर्गत शिक्षकों

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

के छात्रों, माता-पिता, समुदाय, अपने पेशे एवं सहकर्मियों के प्रति कर्तव्य एवं दायित्व शामिल होते हैं ।

भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की शैक्षिक परिस्थितियों में व्यापक अंतर पाया जाता है। शहरी क्षेत्रों में शैक्षिक संसाधनों, अवसरों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपलब्धता अधिक होती है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में इनका अभाव देखने को मिलता है। यह अंतर शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर को भी प्रभावित कर सकता है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल एक प्रमुख शहरी केंद्र है, जहाँ शैक्षिक संस्थानों एवं संसाधनों की प्रचुरता है। वहीं, हरदा जिला मुख्य रूप से ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्र है, जहाँ शैक्षिक संसाधन सीमित हैं। Regional Institute of Education (RIE) Bhopal जैसे संस्थान शिक्षक शिक्षा एवं मूल्य समावेशन पर महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं, किंतु इन कार्यक्रमों का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षकों तक सीमित मात्रा में ही पहुँच पाता है ।

प्रस्तुत अध्ययन की विशिष्टता यह है कि यह ग्रामीण (हरदा) एवं शहरी (भोपाल) क्षेत्रों के सरकारी एवं निजी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के छह प्रमुख आयामों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। इस प्रकार का तुलनात्मक अध्ययन शैक्षिक नीति निर्माताओं एवं प्रशासकों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के शिक्षकों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करने में सहायक हो सकता है।

2. साहित्य समीक्षा

व्यावसायिक नैतिकता पर विभिन्न अध्ययन किए गए हैं। Al-Hothali (2018) ने रियाद, सऊदी अरब में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का अध्ययन स्कूल नेताओं के परिप्रेक्ष्य से किया। उनके अध्ययन में पाया गया कि शिक्षकों के व्यावसायिक प्रदर्शन, छात्रों, समुदाय और परिवार के साथ उनके संबंधों के क्षेत्र में नैतिकता का स्तर मध्यम से उच्च था।

भारतीय संदर्भ में, राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (NCTE) ने शिक्षकों के लिए एक आचार संहिता विकसित की है, जिसमें छात्रों, माता-पिता, समुदाय, सहकर्मियों एवं पेशे के प्रति शिक्षकों के कर्तव्यों को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया है । शर्मा (2018) ने अपने अध्ययन में पाया कि माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का उनकी शिक्षण प्रभावशीलता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

RIE Bhopal द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में शिक्षक शिक्षा में मूल्य समावेशन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। सेमिनार की रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि शिक्षकों को न केवल शैक्षिक ज्ञान बल्कि नैतिक मूल्यों को भी छात्रों तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए । IES University

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

के B.Ed कार्यक्रम के उद्देश्यों में नैतिक सिद्धांतों और जिम्मेदारियों को लागू करने पर विशेष बल दिया गया है ।

ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों की नैतिकता पर तुलनात्मक अध्ययनों की कमी है, विशेष रूप से मध्य प्रदेश के संदर्भ में। वर्मा एवं गुप्ता (2019) ने अपने अध्ययन में संकेत दिया कि शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता उनके जनसांख्यिकीय चरों से प्रभावित होती है, किंतु उन्होंने ग्रामीण-शहरी तुलना पर विशेष ध्यान नहीं दिया। प्रस्तुत अध्ययन इसी अंतर को भरने का प्रयास करता है।

व्यावसायिक नैतिकता के प्रमुख आयाम इस प्रकार हैं:

1. **छात्रों के प्रति दायित्व:** छात्रों के साथ निष्पक्ष व्यवहार, उनकी गोपनीयता का सम्मान, उनके शैक्षिक एवं व्यक्तित्व विकास हेतु प्रयास, एवं उन्हें प्रोत्साहित करना।
2. **माता-पिता के प्रति दायित्व:** माता-पिता के साथ नियमित संचार, उनकी चिंताओं को सुनना, छात्रों की प्रगति के बारे में सूचित करना, एवं उनके सुझावों का सम्मान करना।
3. **समुदाय के प्रति दायित्व:** सामुदायिक मूल्यों का सम्मान, सामुदायिक कार्यक्रमों में भागीदारी, एवं सामुदायिक विकास में योगदान।
4. **पेशे के प्रति दायित्व:** शिक्षण पेशे के मानकों का पालन, निरंतर व्यावसायिक विकास, समय की पाबंदी, एवं पेशे की गरिमा बनाए रखना।
5. **सहकर्मियों के प्रति दायित्व:** सहकर्मियों के साथ सहयोग, सम्मान, एवं व्यावसायिक संबंधों में मर्यादा बनाए रखना।
6. **कुल व्यावसायिक नैतिकता:** उपरोक्त सभी आयामों का सम्मिलित स्कोर।

3. अध्ययन के उद्देश्य

1. भोपाल (शहरी क्षेत्र) एवं हरदा (ग्रामीण क्षेत्र) जिलों के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता (छात्रों के प्रति दायित्व, माता-पिता के प्रति दायित्व, समुदाय के प्रति दायित्व, पेशे के प्रति दायित्व, सहकर्मियों के प्रति दायित्व एवं कुल व्यावसायिक नैतिकता) का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. भोपाल एवं हरदा जिलों के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. भोपाल एवं हरदा जिलों के पुरुष एवं महिला शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. शिक्षण अनुभव के आधार पर शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता में अंतर का विश्लेषण करना।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

4. परिकल्पनाएं

1. **शून्य परिकल्पना (H01):** भोपाल (शहरी) एवं हरदा (ग्रामीण) जिलों के माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
2. **शून्य परिकल्पना (H02):** भोपाल एवं हरदा जिलों के सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
3. **शून्य परिकल्पना (H03):** भोपाल एवं हरदा जिलों के निजी विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
4. **शून्य परिकल्पना (H04):** भोपाल एवं हरदा जिलों के पुरुष एवं महिला शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

5. शोध विधि

5.1 अध्ययन का प्रकार

इस अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया।

5.2 जनसंख्या और नमूना

अध्ययन की जनसंख्या भोपाल एवं हरदा जिलों के सभी सरकारी एवं निजी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक थे। नमूना चयन के लिए स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग किया गया। कुल 400 शिक्षकों को नमूने में शामिल किया गया, जिनका विवरण इस प्रकार है:

तालिका 5.1: नमूने का विवरण

जिला	क्षेत्र प्रकार	विद्यालय प्रकार	शिक्षक (पुरुष)	शिक्षिका (महिला)	कुल
भोपाल	शहरी	सरकारी	50	50	100
भोपाल	शहरी	निजी	50	50	100
हरदा	ग्रामीण	सरकारी	50	50	100
हरदा	ग्रामीण	निजी	50	50	100
कुल			**200**	**200**	**400**

5.3 डेटा संग्रह उपकरण

डेटा संग्रह के लिए एक स्व-निर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया। प्रश्नावली में दो भाग थे:

- **भाग क:** शिक्षकों की व्यक्तिगत जानकारी (आयु, लिंग, शैक्षिक योग्यता, शिक्षण अनुभव, विद्यालय का प्रकार, जिला)।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

- **भाग ख:** व्यावसायिक नैतिकता पैमाना, जिसमें 30 कथन शामिल थे, जो पांच आयामों (प्रत्येक में 6 कथन) में विभाजित थे। कथनों को 5-बिंदु लिकर्ट पैमाने (हमेशा से लेकर कभी नहीं) पर मापा गया।

प्रश्नावली की विश्वसनीयता क्रोनबैक अल्फा गुणांक के माध्यम से जांची गई, जो 0.91 पाई गई, जो उच्च विश्वसनीयता को दर्शाती है। वैधता हेतु विशेषज्ञों की राय ली गई।

5.4 डेटा संग्रह प्रक्रिया

शोधकर्ता ने भोपाल एवं हरदा जिलों के विभिन्न विद्यालयों का दौरा किया और प्रधानाचार्यों से अनुमति लेने के बाद शिक्षकों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर प्रश्नावली वितरित की और उन्हें भरने के निर्देश दिए। डेटा संग्रह अगस्त से दिसंबर 2024 के बीच किया गया।

6. डेटा विश्लेषण और परिणाम

डेटा विश्लेषण के लिए SPSS सॉफ्टवेयर (संस्करण 26) का उपयोग किया गया। सांख्यिकीय तकनीकों में माध्य, मानक विचलन, स्वतंत्र टी-परीक्षण और ANOVA शामिल थे।

6.1 भोपाल एवं हरदा के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का तुलनात्मक विश्लेषण

तालिका 6.2: भोपाल एवं हरदा के शिक्षकों के नैतिकता स्कोर की तुलना

आयाम	भोपाल (n=200)	हरदा (n=200)	टी-मूल्य	पी-मूल्य	महत्व स्तर		
	माध्य	मानक विचलन	माध्य	मानक विचलन			
छात्रों के प्रति दायित्व	4.38	0.48	4.12	0.59	4.86	0.001	महत्वपूर्ण
माता-पिता के प्रति दायित्व	4.22	0.53	3.95	0.64	4.62	0.001	महत्वपूर्ण
समुदाय के प्रति दायित्व	4.08	0.61	3.78	0.70	4.58	0.001	महत्वपूर्ण
पेशे के प्रति दायित्व	4.31	0.50	4.05	0.60	4.74	0.001	महत्वपूर्ण

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

सहकर्मियों के प्रति दायित्व	4.15	0.55	3.88	0.66	4.49	0.001	महत्वपूर्ण
कुल व्यावसायिक नैतिकता	**4.23**	**0.47**	**3.96**	**0.58**	**5.12**	**0.001**	**महत्वपूर्ण**

0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण

टी-परीक्षण के परिणाम बताते हैं कि भोपाल (शहरी) एवं हरदा (ग्रामीण) जिलों के शिक्षकों के बीच व्यावसायिक नैतिकता के समग्र स्कोर में सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर है ($t = 5.12$, $p < 0.001$)। भोपाल के शिक्षकों का कुल नैतिकता स्कोर (माध्य = 4.23) हरदा के शिक्षकों (माध्य = 3.96) से अधिक पाया गया। सभी पांच आयामों में भी भोपाल के शिक्षकों का स्कोर हरदा के शिक्षकों से महत्वपूर्ण रूप से अधिक पाया गया। इस प्रकार, शून्य परिकल्पना (H01) अस्वीकार की जाती है।

6.2 भोपाल एवं हरदा के सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की तुलना

तालिका 6.3: भोपाल एवं हरदा के सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों के नैतिकता स्कोर की तुलना

आयाम	भोपाल सरकारी (n=100)	हरदा सरकारी (n=100)	टी-मूल्य	पी-मूल्य		
	माध्य	मानक विचलन	माध्य	मानक विचलन		
छात्रों के प्रति दायित्व	4.32	0.52	4.08	0.62	2.98	0.003*
माता-पिता के प्रति दायित्व	4.18	0.56	3.92	0.66	3.02	0.003*
समुदाय के प्रति दायित्व	4.02	0.64	3.75	0.72	2.81	0.005*
पेशे के प्रति दायित्व	4.25	0.54	4.02	0.63	2.76	0.006*
सहकर्मियों के प्रति दायित्व	4.08	0.58	3.82	0.69	2.89	0.004*

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

कुल व्यावसायिक नैतिकता	**4.17**	**0.51**	**3.92**	**0.60**	**3.18**	**0.002***

***0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण**

परिणाम बताते हैं कि भोपाल एवं हरदा के सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों के बीच व्यावसायिक नैतिकता के समग्र स्कोर में सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर है ($t = 3.18$, $p < 0.05$)। भोपाल के सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का नैतिकता स्कोर (माध्य = 4.17) हरदा के सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों (माध्य = 3.92) से अधिक पाया गया। शून्य परिकल्पना (H02) अस्वीकार की जाती है।

6.3 भोपाल एवं हरदा के निजी विद्यालयों के शिक्षकों की तुलना

तालिका 6.4: भोपाल एवं हरदा के निजी विद्यालयों के शिक्षकों के नैतिकता स्कोर की तुलना

आयाम	भोपाल निजी (n=100)	हरदा निजी (n=100)	टी-मूल्य	पी-मूल्य		
	माध्य	मानक विचलन	माध्य	मानक विचलन		
छात्रों के प्रति दायित्व	4.44	0.44	4.16	0.56	3.94	0.001*
माता-पिता के प्रति दायित्व	4.26	0.50	3.98	0.62	3.52	0.001*
समुदाय के प्रति दायित्व	4.14	0.58	3.81	0.68	3.69	0.001*
पेशे के प्रति दायित्व	4.37	0.46	4.08	0.57	3.98	0.001*
सहकर्मियों के प्रति दायित्व	4.22	0.52	3.94	0.63	3.42	0.001*
कुल व्यावसायिक नैतिकता	**4.29**	**0.43**	**3.99**	**0.56**	**4.21**	**0.001***

***0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण**

परिणाम बताते हैं कि भोपाल एवं हरदा के निजी विद्यालयों के शिक्षकों के बीच व्यावसायिक नैतिकता के समग्र स्कोर में सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर है ($t = 4.21$, $p < 0.001$)। भोपाल के निजी विद्यालयों

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

के शिक्षकों का नैतिकता स्कोर (माध्य = 4.29) हरदा के निजी विद्यालयों के शिक्षकों (माध्य = 3.99) से अधिक पाया गया। शून्य परिकल्पना (H03) अस्वीकार की जाती है।

6.4 लिंग के आधार पर नैतिकता में अंतर (दोनों जिलों में)

तालिका 6.5: पुरुष एवं महिला शिक्षकों के नैतिकता स्कोर की तुलना (भोपाल एवं हरदा)

आयाम	पुरुष (n=200)	महिला (n=200)	टी-मूल्य	पी-मूल्य		
	माध्य	मानक विचलन	माध्य	मानक विचलन		
छात्रों के प्रति दायित्व	4.18	0.58	4.32	0.52	-2.58	0.010*
माता-पिता के प्रति दायित्व	4.02	0.63	4.15	0.58	-2.17	0.031*
समुदाय के प्रति दायित्व	3.88	0.69	3.98	0.66	-1.50	0.134
पेशे के प्रति दायित्व	4.12	0.60	4.24	0.54	-2.14	0.033*
सहकर्मियों के प्रति दायित्व	3.95	0.64	4.08	0.60	-2.10	0.036*
कुल व्यावसायिक नैतिकता	**4.03**	**0.56**	**4.15**	**0.52**	**-2.25**	**0.025***

***0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण**

टी-परीक्षण के परिणाम बताते हैं कि पुरुष एवं महिला शिक्षकों के बीच व्यावसायिक नैतिकता के समग्र स्कोर में सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर है ($t = -2.25$, $p < 0.05$)। महिला शिक्षकों का नैतिकता स्कोर (माध्य = 4.15) पुरुष शिक्षकों (माध्य = 4.03) से अधिक पाया गया। शून्य परिकल्पना (H04) अस्वीकार की जाती है।

6.5 शिक्षण अनुभव के आधार पर नैतिकता में अंतर

तालिका 6.6: शिक्षण अनुभव के आधार पर नैतिकता स्कोर का ANOVA विश्लेषण

शिक्षण अनुभव	N	माध्य	मानक विचलन	F-मूल्य	पी-मूल्य
0-5 वर्ष	120	3.98	0.58	4.92	0.002*
6-10 वर्ष	110	4.08	0.54		
11-15 वर्ष	95	4.16	0.51		

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

15+ वर्ष	75	4.24	0.48		
कुल	**400**	**4.09**	**0.54**		

***0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण**

ANOVA परिणाम बताते हैं कि शिक्षण अनुभव के विभिन्न स्तरों वाले शिक्षकों के बीच व्यावसायिक नैतिकता के स्कोर में सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर है ($F = 4.92$, $p < 0.01$)। अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों (15+ वर्ष) का नैतिकता स्कोर (माध्य = 4.24) कम अनुभव वाले शिक्षकों (0-5 वर्ष) के स्कोर (माध्य = 3.98) से अधिक पाया गया।

7. चर्चा

इस अध्ययन के परिणाम स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि शहरी क्षेत्र (भोपाल) के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का स्तर ग्रामीण क्षेत्र (हरदा) के शिक्षकों की तुलना में सभी आयामों में उच्च है। यह अंतर संभवतः शहरी क्षेत्रों में बेहतर शैक्षिक संसाधनों, नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, एवं व्यावसायिक विकास के अधिक अवसरों के कारण हो सकता है। RIE Bhopal जैसे संस्थानों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का लाभ शहरी शिक्षकों को अधिक सुलभता से मिल पाता है ।

भोपाल के निजी विद्यालयों के शिक्षकों का नैतिकता स्कोर सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों से अधिक पाया गया, जबकि हरदा में भी यही प्रवृत्ति देखी गई। यह निजी क्षेत्र में जवाबदेही की अधिक अपेक्षा एवं बेहतर कार्य वातावरण के कारण हो सकता है। यह Al-Hothali (2018) के अध्ययन के अनुरूप है, जिसमें शिक्षकों के व्यावसायिक प्रदर्शन में नैतिकता के महत्व पर बल दिया गया था ।

महिला शिक्षकों का उच्च नैतिकता स्कोर एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष है, जो पूर्व में हरदा जिले पर किए गए अध्ययन के अनुरूप है। यह महिलाओं की अधिक संवेदनशीलता, धैर्य, एवं जिम्मेदारी की भावना के कारण हो सकता है। शिक्षण अनुभव के साथ नैतिकता के स्तर में वृद्धि यह दर्शाती है कि अनुभव शिक्षकों को अधिक नैतिक रूप से परिपक्व बनाता है।

सामुदायिक भागीदारी का स्तर दोनों क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम पाया गया, जो चिंता का विषय है। NCTE (2014) द्वारा विकसित आचार संहिता में सामुदायिक भागीदारी पर विशेष बल दिया गया है, किंतु व्यवहार में यह अभी भी कमजोर प्रतीत होता है ।

8. निष्कर्ष एवं सिफारिशें

8.1 निष्कर्ष

इस अध्ययन से निष्कर्ष निकलता है कि शहरी क्षेत्र (भोपाल) के माध्यमिक शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का स्तर ग्रामीण क्षेत्र (हरदा) के शिक्षकों की तुलना में सभी आयामों में उच्च है। महिला

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

शिक्षक, निजी विद्यालयों के शिक्षक एवं अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षक अधिक नैतिक पाए गए। सामुदायिक भागीदारी के क्षेत्र में दोनों क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

8.2 सिफारिशें

1. ग्रामीण क्षेत्रों (हरदा) के शिक्षकों के लिए विशेष नैतिकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, जिनमें RIE Bhopal एवं IES University जैसे संस्थान सहयोग कर सकते हैं ।
2. सरकारी विद्यालयों में नैतिकता संवर्धन हेतु नियमित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए।
3. पुरुष शिक्षकों के लिए विशेष संवेदीकरण कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए।
4. सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए अभिभावक-शिक्षक बैठकों एवं सामुदायिक कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए।
5. शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों (B.Ed) में व्यावसायिक नैतिकता पर एक अलग मॉड्यूल अनिवार्य किया जाना चाहिए।

9. संदर्भ

1. अल-होथली, एच. एम. (2018)। रियाद (सऊदी अरब) में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता: स्कूल नेताओं के दृष्टिकोण से। *इंटरनेशनल एजुकेशन स्टडीज़*, 11(9), 47–63।
2. राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई)। (2014)। *शिक्षकों के लिए व्यावसायिक आचार संहिता (Code of Professional Ethics for Teachers)*। नई दिल्ली: एनसीटीई।
3. राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई)। (2009)। *शिक्षक शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFTE)*। नई दिल्ली: एनसीटीई।
4. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल। (2002)। *मूल्य-संवर्धन हेतु शिक्षक शिक्षा: शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट*। भोपाल: आरआईई।
5. आईईएस विश्वविद्यालय। (तिथि उपलब्ध नहीं)। *बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी.एड.) कार्यक्रम विवरण*। प्राप्त किया गया: https://www.iesuniversity.ac.in/graduate-program/bed
6. शर्मा, आर. (2018)। माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता एवं शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंसेज़*, 8(4), 234–248।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

7. वर्मा, एस., एवं गुप्ता, आर. (2019)। जनसांख्यिकीय चरों के संदर्भ में माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता। *जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड एक्सटेंशन*, 56(2), 23–35।
8. भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय। (2020)। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (NEP 2020)*। नई दिल्ली: भारत सरकार।
9. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी)। (2005)। *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF–2005)*। नई दिल्ली: एनसीईआरटी।
10. भारत सरकार। (2009)। *निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE Act)*। नई दिल्ली: भारत सरकार।
11. यूनेस्को। (2015)। *शिक्षा 2030: सतत विकास लक्ष्य-4 (SDG-4) हेतु कार्य रूपरेखा*। पेरिस: यूनेस्को।
12. यूनेस्को एवं आईएलओ। (1966)। *शिक्षकों की स्थिति संबंधी अनुशंसा (Recommendation concerning the Status of Teachers)*। पेरिस/जिनेवा: यूनेस्को–आईएलओ।
13. कोहेन, एल., मैनियन, एल., एवं मॉरिसन, के. (2018)। *शैक्षिक अनुसंधान पद्धति (Research Methods in Education)*। लंदन: रूटलेज।
14. क्रेसवेल, जे. डब्ल्यू. (2014)। *शोध अभिकल्पना: गुणात्मक, मात्रात्मक एवं मिश्रित विधियाँ (Research Design)*। नई दिल्ली/लंदन: सेज।
15. रॉबिन्स, एस. पी., एवं जज, टी. ए. (2017)। *संगठनात्मक व्यवहार (Organizational Behavior)*। नई दिल्ली: पीयरसन।